सारा काम रहे और वही इस पर विचार करें। आप स्टेट गवर्नमेंट को यह काम दे देते हैं तो उसके पास बहुत सा काम रहता है और दूसरे कामों में वह उस पैसे को खर्च भी कर देती है। नैचुरल कलैमेटी के वास्ते उससे निपटने के लिए आप यह कमिशन बनाए और उसके जिम्मे इस काम को सौंपें यह पैसा उसके पास रहे। इससे दो लाभ होंगे। फंड भी रुकेंगे और पानी को सिंचाई के काम में भी लाया जा सकेगा। यह कमिशन इस काम को मुस्तैदी से कर सकेगा

साउथ बिहार में आप ट्यूबवैल्ज का प्रबन्ध करें। वहां बिजली की बड़ी दिक्कत है। सारे हिन्दुस्तान में जितनी बिजली है उसका बहुत कम हिस्सा बिहार में है। इस वास्ते बिहार को आप बिजली भी दें। बिजली नहीं देंगे तो बिहार का तथा ड्राउट एरिया का काम कैसे चलेगा।

आपके पास पैसा है लेकिन आप बिहार को नहीं देते हैं। बिहार की हालत बहुत खराब है। आपको सुबुद्धि आ जानी चाहिये। अगर अब 1974 में नहीं आएगी तो क्या 1976 में आएगी? मैं चाहता हूं कि 1976 से पहले अब ही वह अपनी बुद्धि को दुरुस्त कर लें। बिहार में बाढ़ से लोगों को बचाने का इंतजाम करें। बिजली बिहार को दें। ट्यूबवैल्ज की कमी है उसको पूरा करें। अभी मैं पटना गया था। वहां चावल चार रुपये किलो और गेहूं ढाई तीन रुपये किलो है और इस भाव पर भी मिलना मुश्किल है। बिहार को गल्ला दें। दवाओं का प्रबन्ध करें ताकि हैजा आदि न फैले चेचक न फैले। साथ साथ बीज का इंतजाम करें।

17.35 hrs.

STATEMENT RE. RAILWAY ACCIDENT BETWEEN YADUGRAM BLOCK HUT AND GURPA STATION OF EASTERN RAILWAY

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): Sir, I regret to inform the House of an accident which took place on the Grand Chord section of the Eastern Railway on 23rd August, 1974.

At about 05.30 hours on 23rd August, 1974, while goods train No. 1211 Up was approaching the Up distant signal of Nathganj station on the Grand Chord section of Dhanbad Division of the Eastern Railway, 10 of its wagons got derailed blocking both the Up and Down lines. After the clearance of all infringements on the Down line at 1700 hours, the relief trains including the cranes were to be removed from the Down line for the passage of 9 Down Doon Express. The first part of the assembly comprising of Gaya based Accident Relief Train and 120 tonne crane left the site for Gurpa at 18.10 hours. However, the second part of the assembly comprising of Gomoh based Accident Relief Train, along with three re-railed wagons could not be despatched to Dilwa on account of the engine of this Accident Relief Train having failed. Consequently another engine was called for from Gujhandi. While coupling up this engine with the second assembly, the latter rolled towards Gurpa because of a steep falling gradient. This rolling assembly collided with the first Accident Relief Train assembly between Yadugram Block Hut and Gurpa station at 1900 hours.

As a result of the collision, 15 railway staff including Assistant Security Officer, Dhanbad, were killed and another 7 injured of whom 2 sustained grievous injuries. A sum of Rs. 500 to the next of the kin of each of the dead

[Shri Mohd. Shafi Qureshi]

persons excepting one who has not been indentified so far, and Rs. 400 to each of the two grievously injured persons has been made. The General Manager has also sanctioned a special posthumous grant of Rs. 2,000 in respect of the dead persons who have been identified.

Additional Commissioner of Railway Safety is expected to commence his statutory enquiry into this accident on 27th August, 1974.

17.40 hrs.

DISUSSION RE. FLOOD AND DROUGHT SITUATION IN THE COUNTRY—**contd.**

श्री गेंदा सिंह (पदरौना) : सभापति महोदय, मैं श्री पन्त का ध्यान बाढ और सूखा सम्बन्धी कुछ बातों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । हमारा जिला देवरिया कुछ सा ष से बाढ़ और सूखे से पीड़ित रहा हैं । 1971-1972 और 1973 का नक्शा मेरे सामने है । 1973-74 और 1974-75 में बाढ़ से जो नुक्सान हुआ है, उस के आंकड़े मेरे पास मौजूद नहीं हैं । केवल पिछले वर्ष 1.29 करोड़ रुपये का नुक्सान एक छोटे से जिले देवरिया में हुआ और 26 लाख लोग पीड़ित हुए । उस बाढ़ में 34, 35 आदमी मरे, यह सरकार कहती है, हालांकि वहां पचासों आदमी मर गये ।

इस बरस भी वहां अपार क्षति हुई है ! सेशन के होते हुए मैं खुद वहां गया और म ने कुछ घूम कर देखा । आज लोग जिस दुर्गति में हैं, उस को मैं बयान नहीं कर सकता हूं । मैं एक लम्बे काल से पब्लिक वर्कर रहा हूं । अगर मेरी शारीरिक स्थिति अच्छी होती तो मैं यहां नहीं बैठता मैं उन लोगों की सेवा में लगा होता । दो तीन बरस पहले से जो लोग क्षतिग्रस्त थे, वे इस वर्ष की क्षति को उठाने में असमर्थ हैं । अगर मैं कहूं कि भूख से मौत हुई हैं, तो वह कुछ अत्युक्ति नहीं होगी ।

मैं जानता हूं कि श्री पन्त किस दिल के आदमी हैं । वह उन पन्त जी के लड़के हैं, जिन्होंने बड़ी गंडक नहर की नींव डाली थी, और अरबों रुपये खर्च कर के देवरिया, छपरा, मोतिहारी जिलों की सहायता की थी। गोरखपुर और तिरहुत डिविजन, बिहार के चार जिले और चार जिले यू० पी० के, यह घनी आबादी का क्षेत्र है, जिस की तुलना चाइना की जनसंख्या से की जा सकती है । उसी तरह सब बिगड़ी हुई नदियां वहां इकट्ठी होती हैं । उन में एक नदी बड़ी गंडक है, जिस को ग्रेट गंडक कहते हैं । सभापति महोदय, वह ग्रेट गंडक आप के जिले मुजफ्फरपुर, और चम्पारन तथा छपरा के किनारे किनारे आती है, और वह समूचे देवरिया को छूती है। उस ने हमारे जिले को बर्बाद कर दिया है । देवरिया में 542 मिलीमिटर पानी बरसा है । वहां अगस्त में इतना पानी बरसा है कि फ़सल चौपट हो गई है । पिछले वर्ष भी वह जिला सूखे और बाढ़ से बर्बाद हुआ और इस वर्ष भी। पिछले वर्ष जिले भर में 35 आदमी मरे, 60 हजार घर गिर गये । और 29 करोड़ रुपये की तबाही हुई । इस बरस भी ऐसे ही फ़िगर्ज होंगे । करीब तीस लाख लोगों की आबादी बड़ी भारी विपत्ति में पड़ गई है । यह कहा नहीं जा सकता है कि उन का गुजारा किस तरह होगा । यू० पी० सरकार की भी आंख देवरिया की तरफ कुछ कम हो गई है ।

मैं श्री पन्त, श्री सिद्धेश्वर प्रसाद और अपने नौजवान भाई, कृषि मंत्री, से कहना चाहता हूं कि मेरे बदले में वे वहां जायें और वहां के लोगों को सहारा दें। आज जिस विपत्ति में वे हैं, उतनी विपत्ति में वे पहले कभी नहीं थे । लेकिन ऐसी विपत्ति में सहारा कहीं नहीं दिखाई दे रहा है। वे लोग 14 शूगर फ़ैक्टरियों